an>

Title: Need to provide water to Sone canal in Bihar from Rihand dam as per the norms fixed by Joint Operation Committee set up for the purpose.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): इन्दपुरी बैराज (बिहार), सोन नदी से सोन नहर के लिए पानी निकलता है, जिससे बिहार के कई जिलों के किसानों यथा रोहतास, कैमूर, भोजपुर, औरंगाबाद, गया, अरवल, जहानाबाद और पटना आदि के किसानों को खेती के लिए सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होती है, जिससे लाखों किसान लाभान्वित होते हैं। कुछ माह पूर्व उत्तर प्रदेश की सरकार ने रिहंद डैम से बिहार के सोन नहर को मिलने वाले पानी के संबंध में ज्वाइंट ऑपरेशन कमेटी के तहत जो करार है, उसकी अवहेलना कर उत्तर प्रदेश सरकार ने 15 जनवरी 2016 तक सोन नहर के लिए 30 हजार क्यूसेक कम पानी छोड़ा। कटौती लगातार जारी है। बिहार सरकार ने मामले को उत्तर-प्रदेश सरकार के संज्ञान में लाया है। परन्तु परिणाम शून्य है। अब यह मामला केन्द्रीय जल आयोग के समक्ष उठाने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश के संबंधित अधिकारियों ने इस संबंध में बिहार के अधिकारियों को आरम्भ में बताया कि उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन ने रिहंद के पानी के कई हाईडल पॉवर प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर रखा है। इस वजह से सोन में करार के अनुसार पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। इसके बाद कहा गया कि बारिश कम होने के वजह से रिहंद में पानी कम है और इस कारण कोटे का पानी देने में परेशानी है।

समझौते के अनुसार रबी फसल के लिए सोन नहर को 15 जनवरी तक 1.20 लाख क्यूसेक पानी रिहंद से मिलना चाहिए था, परन्तु मात्र 90 हजार क्यूसेक पानी ही मिला।

केन्द्रीय जल आयोग और सरकार से मेरा आग्रह है कि ज्वाइंट ऑपरेशन कमेटी द्वारा तय मानक के अनुसार सोन नहर के लिए रिहंद से पर्याप्त मात्रा में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार को आवश्यक निर्देश जारी किया जाए ताकि इस क्षेत्र में किसानों को रबी फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में नियमित पानी की आपूर्ति करने की व्यवस्था की जाए।